

अनभिलाष वि. (तत्.) जिसे कोई अभिलाषा, कामना न हो, कामनाहीन, कामना, अभिलाषा का अभाव।

अनभिवादय वि. (तत्.) जो अभिवादन, प्रणाम किए जाने के योग्य न हो, अप्रणम्य, सम्मान के लायक न हो।

अनभिव्यक्त वि. (तत्.) 1. जो व्यक्त, प्रकट न हो, गुप्त। 2. जो अभिव्यक्त या कथित न हो, अकथित 3. अस्पष्ट विलो. अभिव्यक्त।

अनभिहित वि. (तत्.) 1. अकथित, न कहा हुआ 2. तात्पर्यार्थ 3. जिसे नामित न किया गया हो।

अनभिहित वाक्यदोष पुं. (तत्.) काव्य. वाक्यदोष का एक भेद। वाक्य में अवश्य कही जाने योग्य बात का उल्लेख न होने का दोष, अकथित कथनीय दोष।

अनभीगा वि. (तद्.) जो भीगा न हो, अनभीगा वस्त्र।

अनभीष्ट वि. (तत्.) 1. जो अभीष्ट या वांछित न हो 2. इच्छाविरुद्ध।

अनभेदी वि. (तद्.) भेद न जाननेवाला, अविश्वास।

अनभ्यस्त वि. (तत्.) 1. जिसने अभ्यास न किया हो 2. अकुशल 3. जिसका अभ्यास न किया गया हो।

अनभ्यास पुं. (तत्.) अभ्यास का अभाव, अनुशीलन न करना; आदत का न होना।

अनभ्यासी वि. (तत्.) 1. जो अभ्यास न करे, अभ्यासशून्य, सतत प्रयत्न न करनेवाला 2. साधनाहीन।

अनभ्र वि. (तत्.) अभ्र अर्थात् मेघ से रहित, बिना बादल का।

अनभ्रवज्जपात पुं. (तत्.) 1. बिना बादलों के बिजली गिरना 2. नाश. अप्रत्याशित, अनुमानित, आकस्मिक हानि या विपत्ति।

अनभ्रवृष्टि स्त्री. (तत्.) बादलों के बिना होने वाली वर्षा, असंभव कार्य, अनुमानित या अकस्मात् होने वाला लाभ या प्राप्ति।

अनम वि. (तद्.) 1. अनम 2. उद्धत 3. अकड़बाज 4. चंचल।

अनमद वि. (तद्.) मदरहित, अहंकारहीन, घमंड रहित।

अनमन वि. (तद्.) दे. अनमना।

अनमना वि. (तद्.) उदास, खिन्न, उचटे हुए चित्त वाला, अन्यमनस्क।

अनमनापन पुं. (तद्.) खिन्नता, उदासी, चित्त उचाट होना।

अनमनी वि. (तद्.) अन्यमनस्क स्त्री।

अनमनीय वि. (तत्.) 1. जो नम्य या लोच वाला न हो, बेलोच 2. कठोर 3. दृढ़।

अनमाँगा वि. (तद्.) जो माँगा हुआ न हो, मांगे बगैर, अयाचित।

अनमाप वि. (तद्.) जिसे मापा न जा सके, अपरिमेय।

अनमापा वि. (तद्.) जो मापा न गया हो।

अनमिट वि. (तद्.) अमर, अमिट, जिसे भुलाया, मिटाया न जा सके।

अनमित्र वि. (तत्.) 1. जो अमित्र या शत्रु न हो 2. जिसका कोई शत्रु न हो 3. जो मित्र न हो।

अनमी वि. (तत्.) 1. न झुकने वाला 2. स्वाभिमान 3. हठी, जिद्दी।

अनमेल वि. (तद्.) जिनमें परस्पर मेल न हो, बेमेल, सामंजस्यहीन, असमन्वित।

अनमोल वि. (तद्.) 1. अमूल्य, मूल्यरहित 2. बहुमूल्य; उत्तम।

अनम्य वि. (तत्.) 1. जिसे झुकाया न जा सके 2. जिसे मोड़ा न जा सके 3. जिसमें लचक न हो 4. जो प्रणाम, सम्मान के लायक न हो 5. अपूज्य।

अनम वि. (तत्.) 1. जो नम्र न हो, अविनीत 2. उद्धत 3. घमंडी।

अनय पुं. (तत्.) 1. अनीति 2. अन्याय 3. दुर्भाग्य, अमंगल, मुसीबत, विपद 4. दुष्कर्म।